NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2016

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER II

Time: 2½ hours 80 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 6 pages. Please check that your question paper is complete.
2. Read the instructions to each question carefully.
3. All answers must be written in the Hindi script.
4. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.

IEB Copyright © 2016

भाग क

प्रश्न एक

१. **निम्नलिखित चार कविताओं में से किन्हीं <u>दो</u> के पूछे गये प्रश्नों को हिन्दी में दीजिए।**
कविता ः नाविक से ः

१.१ कवि शिवमंगल ने "नाविक से" कविता में मनुष्य को क्या सन्देश दिया है। ईस आधार पर कविता में से उचित पंक्तियों चुन कर व्याख्य कीजिए। **[१०]**

अथवा

१.२ निम्नलिखित पंक्तियों जो "*नाविक से*" कविता से निकाला गया है अपने शब्दो मे हिन्दी में समझाइए ः

(क) "*आज हृदयमें और सिन्धमें, साथ उठा है ज्वार।*" (३)

(ख) "*आज सिन्धुने विष उगला हैं।*" (३)

(ग) "जब तक साँसोमें स्पन्दन हैं।"। अपने शब्दों में समझाइए। (४)

[१०]

अथवा

१.३ **कविता ः श्री राम हनुमान मिलन**

"*मैं तो आपकी माया के कारण भूला भटका फिरता हूँ। इसी से मैंने अपने प्रभु को नहीं पहचाना।*" इस सुन्दर दृश्य को अपने शब्दों में श्री राम और हनुमान का मिलन पर चर्चा कीजिए।

[१०]

अथवा

१.४ **कविताः श्री राम हनुमान मिलन**

(क) हनुमानजी कहाँ रहते है। (२)

(ख) श्री राम जंगल में क्या कर रहे थे। (३)

(ग) "कठिन भूमि कोमल पद गामी" अपने शब्दों में सम्झाइए।" (५)

[१०]

IEB Copyright © 2016

१.५ **कविता** ः कबीर

(क) निम्नलिखित पंक्तियों जो *कबीर के दोहे में* से निकाला गया है अपने शब्दो मे हिन्दी में समझाइए ः

"साई इतना दीजिए ज में कुटुम्ब समाय ।
मैं भी भूखा ना रहूँ साधु न भूखा जाय ॥" (६)

(ख) कबीर जीवन के क्षेत्र के बारे में क्या कहते हैं ? । (४)

[१०]

अथवा

१.६ **कविता** ः कबीर
कबीर का काव्य मनुष्य में आत्मविश्वास को जगाने का महत्वपूर्ण माध्यम है । विस्तार पूवर्क व्याख्य कीजिए । **[१०]**

१.७ **कविता** ः पवन दूत

(क) कवि ने कृष्ण के गुणों का वर्णन किया है । अपने शब्दों में व्याख्य (४)

(ख) कीज्ए चार वाक्यों में बताओं की राधा अपना विरह कैसे बिताऐं । (४)

(ग) *"जाते जाते अगर पथ में क्लान्तियों को मिटना " तो तु ज के निकट उसकी क्लान्तियों को मिटाना"* । इसका अर्थ क्या है । अपने शब्दों में समझाइए । (२)

[१०]

अथवा

१.८ **कविता** ः पवन दूत
कवि क्या सन्देश देना चाहते है । पवन दूत के आधार पर कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए । **[१०]**

प्रश्न २

निम्नलिखित कविता को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए।

नवयुवक

ऐ नौजवान ! सुन अमर गान ,पहिचान आप अपने को तू।
ऐ महामहिम , सागर महान , बुद-बुद न जान अपने को तू॥
जी रहे आज है अमरवृन्द , तेरे ही तरल इशारों पर ,
इतना विशाल आकाश थमा ,तेरे ही जय के नारों पर।
आशाओं के सब तार बँधे , तेरी ऑखों के तारों पर ,
तू कहीं आग में कूद पड़े , खिल जाएँ फूल अंगारों पर॥
क्यों चकित , चित्त हो भूल रहा , ऐ बलनिधान , अपने को तू ?
ऐ नौजवान ! सुन अमर गान , पहिचान आप अपने को तू।
तू चाहे तो ऊसर में भी गंगा का सागर लहराए ,
तू चाहे तो सागर अथाह , पल में ऊसर , सा बन जाए॥
तू चाहे रज-कण पर्वत हो , भूकम्प पर्वतों पर धाए ,
तू चाहे तो विदलित भू पर , अमरों का स्वर्ग उतर आए॥
तू विभु का ही प्रति रूप अरे , छोटा न मान अपने को तू ?
ऐ नौजवान ! सुन अमर गान , पहिचान आप अपने को तू॥
तुझमें अतीत के सुफल सभी , तुझमें भविष्य के बीज धरे ,
तेरी सत्ता से रहते हैं , उत्साह कुंज सब हरे-भरे।
तू अखिल शक्ति का धाम युवक , तेरी समता कह कौन करे॥
तू कौन काम कर सका नहीं , तू कहॉ नहीं ,क्या नहीं अरे ?
बस ,एक बार दिखला दे तो ,है विश्व-प्राण अपने को तू।
ऐ नौजवान ! सुन अमर गान ,पहिचान आप अपने को तू॥
यह कॉप उठे संसार कहीं ,उंगली यदि एक उठा दे तू।
गिर जाएँ गगने के तारे भी ,ऑखें यदि लाल दिखा दे तू।
पर्वत भी चुर चूर होवें अपना यदि ध्यान जमा दे तू।
क्योम् निष्किय होकर खोता है। जीवन अनमोल बता दे तू॥
वेदान्त तुझे कह रहा ब्रह्म कह जग वितान अपने को तू।
ऐ नौजवान सुन अमर पहिचान आप आपने को तू॥

IEB Copyright © 2016

२.१ कवि नवयुवकों से क्या अपेक्षा रखता है ? (४)

२.२ नवयुवक की शक्ति पर किन शब्दों से वर्णन किया गया है । केवल दो उदाहरण दीजिए ? (२)

२.३ पंकितयों का सार अपने शब्दों में लिखों ः
"ऐ नौजवान सुन अमर गान , कह जग वितान अपने को तू " (२)

२.४ समानार्थी शब्द लिखए ः सागर (२)

[१०]

३०

Candidates must attempt ONE Essay and ONE Contextual question from either section.

भाग ख or भाग ग

भाग ख

प्रश्न तीन

३. **निम्नलिखित दो वर्ग में से किन्हीं एक के पूछे गए प्रश्नों का उतर हिन्दी में दीजिए ।**

३.१ "आओ अपनी रानी की रक्षा करो ।" इस घटना को वणर्न करते हुए कहानी का उद्देश्य परिचय कीजिए । **[२५]**

अथवा

३.२ **कहानी ः *महाराणा प्रतापसिंह* निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।**

३.२.१ राणा प्रताप किस के पुत्र थे ? (२)

३.२.२ वे कहाँ राज्य करते थे ? (२)

३.२.३ प्रतापसिंह के चरित्र पर प्रकाश डालिए । ? (६)

३.२.४ उनको किस के साथ युध्द करना पड़ था ? (४)

३.२.५ *युध्द के पश्चात प्रतापसिंग के जीवन में क्या हुआ* ? (६)

३.२.६ लोग उनका नाम आज तक सम्मान के साथ क्यों लेतो है । (५)

[२५]

भाग ग

प्रश्न चार

४. निम्नलिखित दो वर्ग में से किन्हीं **एक** के पूछे गये प्रश्नों का उत्तर हिन्दी में दीजिए ।

४.१ कहानी ः र्निमाला

४.१.१ यह कहानी क्यों "र्निमाला" रखी गयी थीं ।? (४)

४.१.२ चन्दर का चरित्र चित्रन कीजिए ? (४)

४.१.३ बाबू उदयभानू लाल के परिवार का परिचय कीजिए ? (४)

४.१.४ कल्यानी और उदयभानू का मित्रता का वर्णन कीजिए ? (३)

४.१.५ र्निमाला कि अंतिम समय को वणर्न कीजिए ? (१०)

[२५]

अथवा

४.२ कहानी ः र्निमाला कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक की इस में कहाँ तक सफलता मिली है ।

[२५]

५०

Total: ८०

IEB Copyright © 2016